भजन

तर्ज–चांदी जैसा रंग है तेरा

नैनों की गति देखूं प्यारी,उसमें तेरा प्यार
आतम मेरी इक टक रही है निहार
सहजे सहजे प्रेम के प्याले,लब पे लगे लगार
आतम मेरी दिल में रही है उतार

1– पीते पीते रूह मेरी गई ठहर ठहर
तेरे इश्क की जब उठी पिया लहर लहर
ऐसी मस्ती दे दी रूह को,कर न सकें इजहार
आत्म मेरी...

2– चलना है पिया खेल में जरा संभल संभल
माया हमारे बीच में न करे दखल
हुकम भी करने लगा है ऐसे,हुकम की ही दरकार
आत्म मेरी...

3– न कहते भी कह गए पिया नैन तेरे
बेचौन रूहों को कर रहे पिया नैन तेरे
ऐसी बेचौनी में मोहे मिलता कितना करार
आत्म मेरी...

4– इश्के वाहेदत से भरे पिया नैन तेरे
रूहें इश्के रंग से ही सिनगार करें
मैं भी सखियों संग उस रंग में हो रही हूँ रंगदार
आत्म मेरी...